भारत सरकार

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं० 668

दिनांक 17.12.2018 को उत्तर दिए जाने के लिए

पेयजल और स्वच्छता उद्देश्यों के लिए जल का उपयोग

668. श्री अनुभव मोहंतीः

क्या पेयजल और स्वच्छता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि फ्लश प्रणाली वाले लगभग सभी शौचालयों में स्वच्छता के प्रयोजन से प्रयुक्त होने वाले जल की मात्रा पीने के लिए उपयोग किए जाने वाले जल की मात्रा से अधिक होती है;

(ख) क्या मंत्रालय स्वच्छता में प्रयुक्त होने वाले जल से पेयजल पृथक कर उसे बेहतर उपयोग के लिए उन जगहों पर आपूर्ति करने पर विचार कर रहा है जहाँ पेयजल की कमी है; और

(ग) यदि हां, तो संपूर्ण देश हेतु यह कार्रवाई करने पर कितनी लागत आएगी?

उत्तर

राज्य मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

(श्री रमेश चंदप्पा जिगाजिनागी)

(क) से (ग) स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय ट्विन-लीच पिट शौचालय और रूरल पैन्स (Rural Pans) को बढ़ावा देता है। रूरल पैन्स को विशेष रूप से डिजाइन किया गया है जिसमें अर्बन पैन्स की तुलना में प्रति प्रयोग 1.5 लिटर से कम पानी खर्च होता है। इसमें 28 से 29 डिग्री पर गहरी ढलान होती है जिसमें शौचालय के प्रयोग में कम पानी आवश्यक होता है।